भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

वर्ष 2024 के जनवरी के पहले पखवाड़े की कृषि रणनीतियाँ

(1) शीतकालीन चावल

- *शीतकालीन धान फसल की कटाई या तो हाथों से या दरांती से या रीपर या कंबाइन हार्वेस्टर के उपयोग करके करें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी की मात्रा तक धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीज के बेहतर भंडारण अवधि के लिए इसे 12% नमी तक सूखाना चाहिए। बेहतर कीमत पाने के लिए तथा मिश्रण के बिना प्रत्येक किस्म की उपज को अलग-अलग पैक करें।*
- *धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें या काटे गए धान को सुरक्षित भंडारण के लिए उपयुक्त तरीके से ढक कर उचित बैग में और ढेर में भंडारण करें।*
- *भंडारित अनाजों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड की 3 टिकियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) टिकियां दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास घरों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। टिकिया को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को कीचड़दार मिट्टी की मोटी परत या चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।*
- *यदि चूहों की समस्या हो तो, धान फसल खेत के आसपास चूहों के गड्ढों को खोजकर उनमें एल्युमिनियम फास्फाइड 6% टैबलेट (12 ग्राम) प्रति गड्ढा रखें और कीचड़दार मिट्टी से गड्ढों को बंद कर दें जिससे चूहें मर जाएंगे।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान पुआल को खेत में न जलाएं।*

2) शुष्क मौसम चावल

2.1 प्रतिरोपित धान

- *120 सेंटीमीटर चौड़ी और सुविधाजनक लंबाई वाली मिट्टी में गीली नर्सरी बीज क्यारी तैयार करें। दो क्यारियों के बीच 30 सेमी की अंतर होनी चाहिए। एक एकड़ वाले मुख्य खेत में रोपाई के लिए लगभग 320 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है।*
- *कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से या 10 ग्राम ट्राइकोडर्मा प्रति किग्रा बीज के साथ बीज उपचार करना चाहिए।*
- *सर्दियों में धान की नर्सरी को अधिक ठंड से बचाने के लिए, क्यारी में गीली मिट्टी में बीज बोने के बाद क्यारी को अपेक्षाकृत गर्म रखने हेतु अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर खाद की एक पतली परत लगायें। जहां तक संभव हो, शाम के समय सिंचाई के लिए बोरवेल के पानी का उपयोग करें और पौधों की अच्छी विकास के लिए सुबह में ठंडे पानी को बाहर निकाल दें। अत्यधिक ठंड से प्रभावित क्षेत्रों में रात के समय पॉलिथीन कवर का उपयोग करें।*

- *स्वस्थ पौध के उत्पादन के लिए, नर्सरी के प्रति वर्गमीटर में 5:5:5 ग्राम नत्रजन: फोस्फोरस: पोटाश के साथ 0.5 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर खाद एवं जस्ता 0.5 ग्राम/वर्गमीटर की दर से आधारी खुराक के रूप में प्रयोग करें।*
- *नर्सरी क्यारी की सतह मिट्टी में संतृप्त की स्थिति बनाए रखने के लिए सिंचाई के पानी को नालियां में प्रयोग किया जाना चाहिए। अंकुरित पौधों को उखाड़ने से पहले 2-3 दिनों के लिए कम से कम 2-3 सेमी तक खड़े पानी को बनाए रखना चाहिए।*
- *नर्सरी में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए अधिक खरपतवार वाले क्षेत्र में, बुवाई के 3-5 दिन के बाद पायराजोसल्फ्यूरन-इथाइल 10% डब्ल्यूपी (साठे) 80 ग्राम/एकड़ दर से छिड़काव करें या बुवाई के 10-12 दिनों बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती निकलने की अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ की दर 120 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *नर्सरी में, जहाँ तना छेदक संक्रमण होने की संभावना दिखाई पड़ती है, स्कीररोफोलर के साथ फेरोमोन जाल (कम से कम 3 जाल प्रति नर्सरी 200 वर्गमीटर में) स्थापित करने की सिफारिश की जाती है। जब नर कीट की संख्या 4 या 5/जाल तक हो जाए, एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी घोल 800 मिली / एकड़ दर से छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से छिड़काव करें।*
- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण देखा जाता है, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी घोल 800 मिली/एकड़ दर से छिड़काव करें या लैम्ब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% ईसी घोल 200 मिली / एकड़ दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम / एकड़ दर से छिड़काव करें।*
- *पत्ती प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, टेबूकोनाजोल 50% + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से या आइसोप्रोथियोलन 40 ईसी 300 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *यदि धान की नर्सरी में पौध अंगमारी रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 400 ग्राम प्रति एकड़ या प्रोपिकोनाजोल 200 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर डालें।*
- *3-5 सप्ताह वाली पौधों को अच्छी से की गई कीचड़दार खेत में 15 सेमी × 15 सेमी की दूरी पर 3-4 पौधा प्रति पूंजा गहराई पर रोपें।*
- *जीवाणुज अंगमारी वाले आक्रांत क्षेत्रों में, रोपाई से पहले अंकुरित पौधों की जड़ों को 0.1% प्लांटोमाइसिन के घोल में 30 मिनट के लिए डुबोएं।*
- *खेत को अंतिम बार कीचड़दार बनाने के दौरान आधारी मात्रा के रूप में (डीएपी 44 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) या (यूरिया 22 किग्रा + एसएसपी 125 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) प्रयोग करें।*

(2.2) आर्द्र सीधी बुआई चावल

- *पूर्व-अंकुरित उपचारित बीजों की बुवाई कीचड़दार खेत में या तो छिटकावा विधि से या ड्रम सीडर का उपयोग करके पूरी करें।*
- *उचित फसल स्थापना और रोपाई के शुरुआती वृद्धि के लिए खेत में पानी की एक पतली परत बनाए रखें।*

- *खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुवाई के 3-5 दिन के बाद पायराजोसल्फ्यूरन-इथाइल 10% डब्ल्यूपी (साठे) 80 ग्राम/एकड़ दर से 120 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर ग्रेन्युलर शाकनाशी 4 किलोग्राम रेत में रेडी मिक्स को छिटककर खेत में प्रयोग करें या बुआई करने के 10-12 दिनों बाद खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ की दर से प्रयोग करें।*
- *खेत को कीचड़दार बनाते समय आधारी मात्रा के रूप में (डीएपी 44 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) या (यूरिया 22 किग्रा + एसएसपी 125 किग्रा + एमओपी 22 किग्रा) प्रयोग करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित धान विशेषज्ञ मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।*